

कार्यकारिणी सारांश

ड्राफ्ट ई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट

नांदगांव, फलैगस्टोन खनन क्लस्टर में
प्रेमनारायण चंद्राकर, धीरेन्द्र लोणारे और हिरेन्द्र साहु
की

प्रस्तावित फलैगस्टोन खनन परियोजना,
गाँव: नांदगांव, तहसील और जिला महासमुंद,
छत्तीसगढ़

कुल खनन पट्टा क्षेत्र: 3.52 हेक्टेयर
नांदगांव फलैगस्टोन खदान क्लस्टर का कुल क्षेत्रफल—8.73 हे.

कुल उत्पादन क्षमता: 19391.40 टीपीए
कुल परियोजना लागत: रु. 63.17 लाख
श्रेणी—बी1

प्रस्तावक

श्री प्रेमनारायण चंद्राकर, श्री धीरेन्द्र लोणारे, और
श्री हिरेन्द्र साहु

1.1. परिचय व पृष्ठभूमि:-

नांदगांव पलैगस्टोन खदान समूह नांदगांव गांव से 1.00 किमी की दूरी पर स्थित है। जिला मुख्यालय महासमुंद दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर 8.50 किमी और छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर पश्चिम पश्चिम दिशा की ओर 28.39 किमी है और अच्छी टार सड़क से जुड़ा है।

लागू पट्टा क्षेत्र के लिए आवश्यक परमिट और मंजूरी का विवरण नीचे दिया गया है -

नाम	श्री प्रेम नारायण चंद्राकर	श्री धीरेंद्र लोनारे	श्री हिरेंद्र साहू	कुल	अनुलग्नक संख्या
टीओआर का संदर्भ	653/माईन/1609 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 28/06/2021	655/खान/महासमुंद/1606नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 28/06/2021	657/खान/महासमुंद/1614नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 28/06/2021	-	अनुलग्नक - II
क्षेत्र	0.99 हेक्टेयर	1.27 हेक्टेयर	1.26 हेक्टेयर	3.52 हेक्टेयर	अनुलग्नक - 1
खसरा नं	2732 और 2738	2735/2 और 2757/1	2735/1	2732, 2738, 2735/2, 2757/1, 2735/1	अनुलग्नक - 1
लागू क्षमता	7216.20 टन प्रतिवर्ष	6156 टन प्रतिवर्ष	6019.20 टन प्रतिवर्ष	19391.40 टन प्रतिवर्ष	अनुलग्नक - II
गांव	नांदगांव	नांदगांव	नांदगांव	नांदगांव	अनुलग्नक - 1
जिला	महासमुंद	महासमुंद	महासमुंद	महासमुंद	अनुलग्नक - 1
एलओआई	पत्र संख्या 1777/क/उत्खनि पट्टा/ ख.लि./न.क्र. 67/2019 महासमुंद, दिनांक 11/12/2020	पत्र संख्या 1756/के/उत्खानी पट्टा/खा.ली./ न.क्र. 79/2019 महासमुंद दिनांक 03/10/2020	पत्र संख्या 1754/के/उत्खनी पट्टा/खा.ली./ न.क्र. 79/2019 महासमुंद दिनांक 03/12/2020	-	अनुलग्नक - 1
	विस्तार पत्र संख्या - 08/ खनि 02/उ.प.-अनु.निष्पा/न.क्र. 50/2017(4) नवा रायपुर दिनांक 01/01/2022	विस्तार पत्र संख्या - 06/खनि 02/उ.प.-अनु.निष्पा/न.क्र. 50/2017(4) नवा रायपुर दिनांक 01/01/2022	विस्तार पत्र संख्या - 03/ खनि 02/उ.प.-अनु.निष्पा/न.क्र. 50/2017(4) नवा रायपुर दिनांक 01/01/2022	-	अनुलग्नक - 1
ग्राम पंचायत द्वारा एनओसी	ग्राम पंचायत नांदगांव दिनांक 25/01/2021	ग्राम पंचायत नांदगांव दिनांक 10/11/2019	ग्राम पंचायत नांदगांव दिनांक 10/11/2019	-	अनुलग्नक - IV
वन कार्यालय	वन कार्यालय महासमुंद की एनओसी दिनांक	वन कार्यालय महासमुंद की पत्र संख्या 5812	वन कार्यालय महासमुंद की सूचना पत्र संख्या	-	अनुलग्नक - V

नांदगांव फ्लैगस्टोन खनन क्लस्टर मे श्री प्रेमनारायण चंद्राकर, श्री धीरेंद्र लोनारे, श्री हिरेंद्र साहू की प्रस्तावित नांदगांव फ्लैगस्टोन खनन परियोजना गांव-नांदगांव तहसील एवं जिला महासमुंद, छत्तीसगढ़

कार्यकारिणी सारांश

द्वारा एनओसी	26/10/2012	दिनांक 16/10/2019	5810 दिनांक 16/10/2019		
खान योजना का अनुमोदन पत्र	पत्र संख्या - 1676 / खनि 02/मा.प्ल. अनुमोदन/न.क. 02/2019 (2) नवा रायपुर दिनांक 10/03/2021	पत्र संख्या 1678 / खनि 02/मा.प्ल.अनुमोदन/न.क. 02/2019 (3) नवा रायपुर दिनांक:-10/03/2021	पत्र संख्या 1721/खनि 02/मा.प्ल.अनुमोदन/न.क. 02/2019(1) नवा रायपुर दिनांक:- 16/03/2021	-	अनुलग्नक - III
भूवैज्ञानिक रिजर्व	1,42,560 एमटी	1,82,880 एमटी	1,81,440 एमटी	5,06,880 एमटी	अनुलग्नक - III
वसूली योग्य रिजर्व	फर्शी पत्थरों कि अस्वीकृति-3,526.02 एमटी	फर्शी पत्थरों कि अस्वीकृति- 2964.46 एमटी	फर्शी पत्थरों कि अस्वीकृति -5321.86 एमटी	फर्शी पत्थरों कि अस्वीकृति --11812.34 एमटी	अनुलग्नक - III
	फर्शी पत्थर - 66,994.38 एमटी	फर्शी पत्थर - 56,324.66 एमटी	फर्शी पत्थर - 1,01,115.38 एमटी	फर्शी पत्थर - 224434.42 एमटी	अनुलग्नक - III
	कुल फर्शी पत्थर - 70,520.40 एमटी	कुल फर्शी पत्थर - 59,289.12 एमटी	कुल फर्शी पत्थर - 1,06,437.24	कुल फर्शी पत्थर - 2,36,246.76 एमटी	अनुलग्नक - III
अधिकतम वार्षिक खनन क्षमता	7216.20 टन प्रतिवर्ष	6156 टन प्रतिवर्ष	6019.20 टन प्रतिवर्ष	19,391.40 टन प्रतिवर्ष	टीओआर अनुलग्नक - II
क्लस्टर क्षेत्र	8.73 हेक्टेयर	8.73 हेक्टेयर	8.73 हेक्टेयर	-	अनुलग्नक - VI
परियोजना की लागत	15.40 लाख	28.63 लाख	19.14 लाख	63.17 लाख	-

यह अध्ययन द ए-सरीज एनवीरोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, (ईआईपीएल) नोएडा कंसल्टेंट द्वारा किया गया। ईआईपीएल शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए एक राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीईटी) से मान्यता प्राप्त सलाहकार संगठन (एसीओ) है और परियोजना/ गतिविधि 1 (ए) (खनिजों का खनन) के लिए ईआईए रिपोर्ट तैयार करने के लिए योग्य है, नियामकों को इस तरह के अध्ययन प्रस्तुत करने वाली एजेंसियों के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। इसी मांगने के उद्देश्य से ईआईए अध्ययन रिपोर्ट निम्नलिखित पर आधारित है :-

- इसके केंद्र के रूप में खदान के साथ 10 किमी के दायरे के अध्ययन क्षेत्र में वायु, मिट्टी, पानी, भूमि, मौसम विज्ञान, शोर, वनस्पति, जीव, कृषि और सामाजिक-अर्थव्यवस्था सहित पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर फील्ड डेटा संग्रह।
- ओपनकास्ट खनन पद्धति, पानी की आवश्यकता, प्रदूषकों के स्रोत और प्रदूषण नियंत्रण रणनीति का अध्ययन।
- पारिस्थितिक संभावना और हरित पट्टी विकास।

ईआईए अध्ययन वर्तमान पर्यावरणीय परिदृश्य पर प्रभाव का मूल्यांकन करता है और पर्यावरण पर वायु, शोर, जल, भूमि प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए आगे के कदमों को शामिल करते हुए पर्यावरण प्रबंधन योजना की जांच करता है।

1.2. स्थान और पर्यावरण सेटिंग

तालिका 1-1: स्थान और पर्यावरण सेटिंग

क्रं.	विवरण	स्थिति										
ए	परियोजना का प्रकार	नांदगांव पलैगस्टोन खनन क्लस्टर में श्री प्रेमनारायण चंद्राकर, श्री धीरेंद्र लोनारे, श्री हिरेंद्र साहू की प्रस्तावित पलैगस्टोन खनन परियोजना										
बी.	परियोजना का आकार											
1.	खनन क्षेत्र	3.52 हेक्टेयर {(0.99 हेक्टेयर (श्री प्रेमनारायण चंद्राकर) 1.27 हेक्टेयर (श्री धीरेंद्र लोनारे) 1.26 हेक्टेयर (श्री हिरेंद्र साहू)}										
2.	उत्पादन क्षमता	19,391.40 टीपीए { (7216.20 (श्री प्रेमनारायण चंद्राकर) 6156.00 (श्री धीरेंद्र लोनारे) 6019.20 (श्री हिरेंद्र साहू)}										
सी.	स्थान विवरण											
1.	ग्राम	नांदगांव										
2.	तहसील	महासमुंद										
3.	जिला	महासमुंद										
4.	राज्य	छत्तीसगढ़										
5.	टोपोशीट	64K/4										
डी.	क्षेत्र का पर्यावरण सेटिंग्स											
1.	पारिस्थितिक संवेदनशील क्षेत्र	खनन पट्टे के 15 किमी के दायरे में प्रजनन, घोंसले के शिकार, चारागाह, विश्राम, अधिक सर्दी, प्रवास के लिए वनस्पतियों या जीवों की कोई संरक्षित, महत्वपूर्ण या संवेदनशील प्रजाति नहीं है। कुछ जंगल बफर जोन में मौजूद हैं: परियोजना स्थल से वन क्षेत्र लगभग 350 मी दूर है।										
2.	नदी/जल निकाय	<table border="1"> <thead> <tr> <th>क्रं.</th> <th>विवरण</th> <th>श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर</th> <th>श्री धीरेन्द्र लोणारे</th> <th>श्री हिरेंद्र साहू</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1.</td> <td>महानदी नदी</td> <td>~580 मी.</td> <td>~780 मी., पश्चिम</td> <td>~710 मी.</td> </tr> </tbody> </table>	क्रं.	विवरण	श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	श्री धीरेन्द्र लोणारे	श्री हिरेंद्र साहू	1.	महानदी नदी	~580 मी.	~780 मी., पश्चिम	~710 मी.
क्रं.	विवरण	श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	श्री धीरेन्द्र लोणारे	श्री हिरेंद्र साहू								
1.	महानदी नदी	~580 मी.	~780 मी., पश्चिम	~710 मी.								

नांदगांव पलैगस्टोन खनन क्लस्टर मे श्री प्रेमनारायण चंद्राकर, श्री धीरेन्द्र लोनारे, श्री हिरेंद्र साहू की प्रस्तावित नांदगांव पलैगस्टोन खनन परियोजना गांव-नांदगांव तहसील एवं जिला महासमुंद, छत्तीसगढ़

कार्यकारिणी सारांश

			पश्चिम		पश्चिम।		
		2.	मौसमी नाला	~80 मी.,पश्चिम	~285 मी. पश्चिम	~215 मी. पश्चिम	
		3.	गांव तालाब	~800 मी. पूर्व	~540 मी. पूर्व	~630 मी. पूर्व	
		4.	नहर	~200 मी. दक्षिण पश्चिम	~110 मी.दक्षिण	~115 मी., दक्षिण	
		5.	जलाशय	~20किमी,उत्तर -पूर्व	~19.70किमी, उत्तर-पूर्व	~19.80 किमी, उत्तर-पूर्व	
3.	निकटतम मानव आवास	श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर		श्री धीरेन्द्र लोणारे		श्री हिरेंद्र साहू	
		नांदगाँव (1किमी, उत्तर-पूर्व दिशा।)		नांदगाँव (0.5 किमी, पूर्व दिशा।)		नांदगाँव (0.5 किमी, पूर्व दिशा)	
4.	निकटतम शहर	महासमुंद (8.50 किमी, पूर्व दिशा)		महासमुंद (8.50 किमी, उत्तर-पूर्व)		महासमुंद (8.50 किमी, पूर्व दिशा)	
5.	राष्ट्रीय हाईवे	एनएच-53 खदान स्थल से उत्तर दिशा की ओर 4.80 किमी (भवानीपटना -रायपुर रोड) की दूरी पर।		एनएच -53 खदान स्थल से उत्तर दिशा की ओर 4.65 किमी (भवानीपटना -रायपुर रोड) की दूरी पर।		एनएच -53 खदान स्थल से उत्तर दिशा की ओर 4.80 किमी (भवानीपटना-रायपुर रोड) की दूरी पर।	
6.	स्टेट हाईवे	स्टेट हाईवे रोड 11.80 किमी (महासमुंद-राजिम रोड) दक्षिण-पूर्व की ओर।		स्टेट हाईवे रोड 11.50 किमी (महासमुंद-राजिम रोड) दक्षिण-पूर्व की ओर।		स्टेट हाईवे (महासमुंद-राजिम) सडक खदान स्थल से दक्षिण-पूर्व की ओर 11.50 किमी.	
7.	निकटतम रेलवे स्टेशन	बेलसोंडा स्टेशन 4.90 किमी उत्तर		बेलसोंडा रेलवे स्टेशन की ओर 4.70 किमी, उत्तर		बेलसोंडा रेलवे स्टेशन 4.80 किमी, उत्तर।	
8.	निकटतम हवाईहड्डा	रायपुर हवाई अड्डा 28.39 किमी पर, खदान सीमा पश्चिम- उत्तर - पश्चिम दिशा की ओर		रायपुर हवाई अड्डा 28.50 किमी पर, खदान से उत्तर- पश्चिम दिशा की ओर।		रायपुर हवाई अड्डा 28.64 किमी पर, खदानसीमा से पश्चिम- उत्तर- पश्चिम दिशा की ओर।	
9.	राज्य कि सीमा	अध्ययन क्षेत्र में कोई नहीं					
10.	भूकंपीय क्षेत्र	क्षेत्र II [आईएस 1893 के अनुसार (भाग-I): 2002]					
ई.		लागत विवरण					
1.	परियोजना लागत	<p style="text-align: center;">63.17 लाख</p> <p style="text-align: center;">(15.40 लाख-श्री प्रेमनारायण चंद्राकर, 28.63 लाख-श्री धीरेन्द्र लोनारे, 19.14 लाख-श्री हिरेंद्र साहू)</p>					

नांदगांव पलैगस्टोन खनन क्लस्टर मे श्री प्रेमनारायण चंद्राकर, श्री धीरेन्द्र लोणारे, श्री हिरेंद्र साहू की प्रस्तावित नांदगांव पलैगस्टोन खनन परियोजना गांव-नांदगांव तहसील एवं जिला महासमुंद, छत्तीसगढ़

कार्यकारिणी सारांश

क्रं.	ब्यौरे	विवरण
एफ	परियोजना कि आवश्यकताएं	
1.	पानी कि आवश्यकता	18.65 KLD
2.	ईंधन कि आवश्यकता	100
3.	मानव शक्ति कि आवश्यकता	25

1.3. परियोजना क्रोनोलॉजी

- परियोजना प्रस्ताव के लिए ऑनलाइन फाइल का विवरण अर्थात् फॉर्म -1 (ईआईए अधिसूचना 2006 के अनुसार, जैसा कि अब तक संशोधित है) पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट, स्वीकृत खनन योजना और प्रस्तावित संदर्भ शर्तों (टीओआर) के साथ, राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ को खान पट्टे के लिए पर्यावरण अध्ययन निम्नानुसार हैं:

क्रं.	पट्टेदार	जमा करने कि तिथि
1	श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	15 / 03 / 2021
2	श्री धीरेन्द्र लोणारे	15 / 03 / 2021
3	श्री हिरेंद्र साहू	17 / 03 / 2021

पहली तकनीकी प्रस्तुति के संबंध में विवरण नीचे दिया गया है:-

क्रं.	पट्टेदार	एस.ई.ए.सी बैठक कि संख्या	प्रस्तुतीकरण कि तिथि
1	श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	372 th	29/05/2021
2	श्री धीरेन्द्र लोणारे	372 th	29/05/2021
3	श्री हिरेंद्र साहू	373 th	31/05/2021

- टीओआर का विवरण इस प्रकार है :

क्रं.	पट्टेदार	टीओआर पत्र संख्या	दिनांक
1	श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	653/Mine/Mahasamund/1609 Nawa Raipur Atal Nagar, dated	28/06/2021
2	श्री धीरेन्द्र लोणारे	655/Mine/Mahasamund/1606 Nawa Raipur Atal Nagar, dated	28/06/2021
3	श्री हिरेंद्र साहू	657/Mine/Mahasamund/1614 Nawa Raipur Atal Nagar,	28/06/2021

1.4 परियोजना विवरण

1.4.1 अध्ययन क्षेत्र एक नजर में

अध्ययन क्षेत्र 2010 के दौरान पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित खनिज खनन के लिए क्षेत्र विशिष्ट ईआईए मार्गदर्शन मैनुअल के प्रावधानों के अनुसार लिया गया है। सोपस्टोन खनन परियोजना के लिए अध्ययन क्षेत्र इस प्रकार था।

- प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र (एमएल क्षेत्र) को 'कोर जोन' माना जाता है।
- एमएल की सीमा सीमा से 10 किमी का दायरा क्षेत्र को श्वफर जोन माना जाता है।

1.4.2 उपयोगिता

तालिका 1-2: खनन के लिए पानी की आवश्यकता

क्रं.	उपयोग	पानी की आवश्यकता			कुल पानी की आवश्यकता
		श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	श्री धीरेन्द्र लोनारे	श्री हिरेंद्र साहू	
पी.1.	घरेलू उद्देश्य / 25 लीटर / कर्मचारी	225 लीटर / दिन (9 कामगारों के लिए) 0.23 केएलडी	200 लीटर / दिन (8 श्रमिकों के लिए) 0.20 केएलडी	200 लीटर / दिन (8 श्रमिकों के लिए) 0.20 केएलडी	0.63 केएलडी
2.	स्टोन कटिंग / वेट कटिंग	(उसी पानी का उपयोग पुनर्चक्रण के माध्यम से किया जाता है) 2.00 केएलडी	(उसी पानी का उपयोग पुनर्चक्रण के माध्यम से किया जाता है) 2.00 केएलडी	(उसी पानी का उपयोग पुनर्चक्रण के माध्यम से किया जाता है) 2.00 केएलडी	6.00 केएलडी
3.	धूल दमन / 0.5 लीटर / वर्गमीटर (दिन में दो बार)	2 केएलडी (500 मी x 4 मी = 2000 वर्गमीटर)	2 केएलडी (500 मी x 4 मी = 2000 वर्गमीटर)	2 केएलडी (500 मी x 4 मी = 2000 वर्गमीटर)	6.00 केएलडी
4.	ग्रीनबेल्ट विकास / 2.5 लीटर/पेड़	1.69 केएलडी (674 पेड़)	2.64 केएलडी (1456 पेड़)	1.69 केएलडी (676 पेड़)	6.02 केएलडी
	कुल	5.92 केएलडी	6.84 केएलडी	5.89 केएलडी	18.65 केएलडी

1.4.3 स्थलाकृति और जल निकासी

क्षेत्र की स्थलाकृति समतल भूमि है। पलैगस्टोन फर्शी पत्थर पूरे पट्टा क्षेत्र में मिट्टी के नीचे है। खान में सामान्य ढलान पश्चिम की ओर है। अनुप्रयुक्त क्षेत्र की अधिकतम ऊंचाई पूर्वी भागों में 271 मीटर एएमएसएल है जबकि पट्टा क्षेत्र का सबसे निचला भाग 270 मीटर एएमएसएल पश्चिमी भाग है।

एएमएसएल तीनों लागू क्षेत्र किसी भी वनस्पति से रहित है।

वर्तमान में कोई जल स्रोत नहीं है, जो पट्टा क्षेत्र और उसके आसपास से गुजर रहा हो। खनन के समय उचित सावधानी बरती जाएगी। अनुप्रयुक्त खदानों से जलाशयों की दूरी नीचे दी गई है-

क्र. सं.	विशिष्ट	अनुप्रयुक्त खान		
		श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	श्री धीरेन्द्र लोणारे	श्री हिरेंद्र साहू
1.	महानदी नदी	~580 मीटर, पश्चिम	~780मी, पश्चिम	~710 मीटर पश्चिम।
2.	नल्ला	~80 मीटर, पश्चिम	~285 मीटर, पश्चिम।	~215 मीटर, पश्चिम
3.	गांव पोंडो	~800 मीटर, दक्षिण-पश्चिम	~540 मीटर, पूर्व	~630 मीटर, पूर्व
4.	नहर	~200 मीटर, दक्षिण-पश्चिम	~ 110 मीटर, दक्षिण	~115 मीटर, पूर्व
5.	जलाशय	~20 किमी, उत्तर-पूर्व	~19.70 किमी, उत्तर-पूर्व	~19.80 किमी, उत्तर-पूर्व

1.4.4 स्थानीय भूविज्ञान

लागू क्षेत्र छत्तीसगढ़ के रायपुर समूह के चारमुरिया गठन का एक हिस्सा है जो मेसो के सुपरग्रुप से नव प्रोटेरोजोइक युग में खंडित चूना पत्थर शामिल है। गठन का क्रम इस प्रकार है: -

मेसो से नियो प्रोटेरोजोइक	छत्तीसगढ़ सुपरग्रुप	रायपुर ग्रुप	चारमुरिया गठन	बैंगनी चूना पत्थर, गहरे भूरे रंग के स्तरित खंडित चूना पत्थर
---------------------------	---------------------	--------------	---------------	---

1.4.5 खनन योग्य भंडार और मेरा जीवन

तालिका 1-3: आरक्षित अनुमान

रिजर्व	श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	श्री धीरेन्द्र लोणारे	श्री हिरेंद्र साहू	कुल
1)भूगर्भीय भंडार (टन में)	1,42,560.00	1,82,880.00	1,81,440.00	5,06,880.00
i) खदान सीमा के अंतर्गत अवरुद्ध भंडार (टन में)	46,641.60	74,491.2	46,123.2	1,67,256.00
ii) खान बेंचों के तहत अवरुद्ध रिजर्व (टन में)	21,686.40	24,062.4	23,277.6	69,026.4
iii) रिजर्व ब्लॉकड	-----	21,916.80	-----	21,916.80

नांदगांव प्लैगस्टोन खनन क्लस्टर में श्री प्रेमनारायण चंद्राकर, श्री धीरेन्द्र लोणारे, श्री हिरेंद्र साहू की प्रस्तावित नांदगांव प्लैगस्टोन खनन परियोजना गांव-नांदगांव तहसील एवं जिला महासमुंद, छत्तीसगढ़

कार्यकारिणी सारांश

नो माइनिंग जोन (टन में)				
2) खनिज भंडार (टन में) (1- i - ii-iii)	74,232.00	62,409.60	1,12,039.2	2,48,680.8
iii) खान हानि - खनन योग्य भंडार का 5: (टन में)	3,711.60	3,120.48	5,601.96	12,434.04
iv) प्लैगस्टोन से अस्वीकृत पत्थर (टन में)	3,526.02	2,964.46	5,321.86	11,812.34
3) प्लैगस्टोन के पुनर्प्राप्त करने योग्य भंडार (टन में) (2 -iii- iv)	66,994.38	56,324.66	1,01,115.38	2,24,434.42
4) पत्थर के कुल वसूली योग्य भंडार (टन में) (3+iv)	70,520.40	59,289.12	1,06,437.24	2,36,246.76
5) उत्पन्न होने वाली शीर्ष मिट्टी मी ³ में)	19,983.00 m ³	18,015.00 m ³	28,191.00	66,189m ³

1.5 खान की आयु

तालिका- खानों का जीवन

		श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	श्री धीरेन्द्र लोणारे	श्री हिरेंद्र साहू
ए.	अनुमानित वसूली योग्य भंडार	29,383.50 घन मीटर या 70,520.40 टन	24,703.80 घन मीटर या 59,289.12 टन	44,348.85 घन मीटर या 10,6437.24 टन
बी.	पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रति वर्ष उत्पादन की औसत दर	2,969.7 घन मीटर या 7,127.28 टन	2,485.2 घन मीटर या 5,964.48 टन	2,488.05 घन मीटर या 5,985 टन
सी.	पंचवर्षीय योजना के बाद उत्पादन की अपेक्षित दर	2,907 घन मीटर या 6,976.8 टन	2,455.56 घन मीटर या 5,893.34 टन	2,493.75 घन मीटर या 5,985 टन
डी.	स्वीकृत स्वीकृत अवधि	पट्टा समझौते की तिथि से 30 वर्ष	पट्टा समझौते की तिथि से 30 वर्ष	पट्टा समझौते की तिथि से 30 वर्ष
ई.	योजना अवधि	10 वर्ष	10 वर्ष	10 वर्ष
एफ.	इस प्रकार खदान का प्रत्याशित जीवन	लगभग 10 साल। (सतह स्तर से खदान की गहराई के 9 मीटर तक)	लगभग 10 वर्ष। (सतह स्तर से खदान की गहराई के 9 मीटर तक)	लगभग 10 वर्ष। (सतह स्तर से खदान की गहराई के 9 मीटर तक)

1.5.1 खनन विधि

खनन का तरीका ओपनकास्ट माइनिंग मेथड होगा। काम करने का तरीका मैनुअल होगा। उत्खनन द्वारा केवल ऊपर की मिट्टी को हटाया जाएगा और खदान की सतह पर पत्थर की परत पर पत्थर की कटाई स्टोन कटर द्वारा की जाएगी बाकी अन्य सभी कार्य जैसे खुदाई और आकार आदि स्थानीय श्रमिकों द्वारा कठोर छेनी द्वारा मैनुअल रूप से किए जाएंगे। ट्रैक्टरों पर आकार के पत्थर की लोडिंग स्थानीय मजदूरों की मदद से मैनुअल रूप से की जाएगी। स्थानीय मजदूरों की मदद से मैनुअल रूप से परिवहन ओड पलैगस्टोन किया जाएगा। पलैगस्टोन का परिवहन ट्रैक्टरों द्वारा किया जाएगा। हैंड ब्रोकन स्टोन चिप को भी ट्रैक्टरों पर मैनुअली लोड किया जाएगा।

बेंच के साथ रैंप का ग्रेडिएंट 1:15 यानी हर 1 मीटर गहराई के लिए 15 मीटर लंबा रैंप बनाए रखा जाएगा। रैंप की चौड़ाई 3 मीटर होगी।

बेंचों की चौड़ाई बेंचों की ऊंचाई के समान रखी जाएगी। खदान को 3 मीटर ऊंचाई X 3 मीटर चौड़ाई की 3 बेंचों में विकसित किया जाएगा, जिसमें से पहली बेंच ऊपर की मिट्टी की होगी और तीसरी बेंच पलैगस्टोन की होगी यानी 3 मीटर ऊंचाई की आखिरी बेंच होगी। तथापि, खनन प्रचालन की प्रगति के दौरान खदान को 1.5 मीटर –1.5 मीटर उप-बेंचों की ऊंचाई में काम किया जाएगा। अंत में माइन बाउंड्री बेंचों को 3m (H) X 3m (W) में बदल दिया जाएगा।

तालिका: ओपनकास्ट मैकेनाइज्ड की सीमा

क्रं.	मशीनरी का नाम	संख्या		
		श्री प्रेमनारायण चन्द्राकर	श्री धीरेन्द्र लोणारे	श्री हिरेंद्र साहू
1	ट्रैक्टर	1	1	1
2	पानी के छिड़काव के साथ पानी का टैंकर	1	1	1
3	डिवाटरिंग पंप	1	1	1
4	स्टोन कटर	1	1	1

1.6 मौसम विज्ञान दीर्घकालिक मौसम विज्ञान (द्वितीयक डेटा)

बाद के पैराग्राफों में प्रस्तुत जानकारी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) रायपुर, दीर्घकालिक जलवायु तालिका, 1971-2000 से है। ये तालिकाएँ किसी क्षेत्र के मौसम के बारे में उपयोगी जानकारी देती हैं, क्योंकि इसे 30 वर्षों की अवधि में एकत्र किया गया था।

1.6.1 तापमान

औसत परिवेश का तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस रहता है, 15.5 डिग्री सेल्सियस से 45.7 डिग्री सेल्सियस तक भिन्न होता है। न्यूनतम – अधिकतम तापमान रेंज गर्मियों में 29.5 – 49 डिग्री

सेल्सियस और सर्दियों में 8 – 25 डिग्री सेल्सियस है। औसत सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 62.6% रहती है, जो 15.4% से 99.2% के बीच होती है। स्टेशन का दबाव 974 hPa, से 960 hPa, तक भिन्न होता है, औसतन लगभग 987 hPa, ।

1.6.2 हवा

लंबी अवधि के हवा की दिशा के आंकड़ें इंगित करते हैं कि अध्ययन अवधि (15 मार्च से 15 जून)-2021 के दौरान प्रमुख हवा दक्षिण-पश्चिम है और दूसरी प्रमुख हवा की दिशा पश्चिम है।

1.6.3 वर्षा

जिले में वार्षिक वर्षा लगभग 1258 मिमी है। वर्षा दक्षिण से उत्तर की ओर थोड़ी बढ़ जाती है। कुल वार्षिक वर्षा में से, 90% दक्षिणपंथी मानसून में 15 जून से 15 अगस्त के बीच होती है। उपोष्णकटिबंधीय जलवायु के कारण अधिकतम तापमान 33.8 से 44.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है जबकि आर्द्रता 35% और 85% के बीच होती है।

1.6.4 सापेक्ष आर्द्रता

अधिकांश आर्द्र स्थितियां मानसून में पाई गईं, उसके बाद मानसून के बाद, सर्दी और गर्मी इसी क्रम में पाई गईं। सुबह शाम की तुलना में अधिक आर्द्र थी और मानसून की सुबह में आर्द्रता 88-82% के उच्च स्तर से लेकर गर्मियों की शाम में 53-34% के निम्न स्तर तक थी।

1.6.5 स्थल विशिष्ट मौसम विज्ञान

गर्मी के मौसम 2021 (15 मार्च से 15 जून) का प्रतिनिधित्व करने वाले आधारभूत मौसम संबंधी आंकड़े परियोजना स्थल के पास एकत्र किए गए थे।

मौसम विज्ञान के आंकड़ों से पता चला है कि अध्ययन अवधि के दौरान औसत हवा की गति 6.01 मीटर / सेकंड देखी गई थी। यह देखा गया है कि अध्ययन अवधि के दौरान हवा दक्षिण पश्चिम से प्रमुख रूप से चलती है और दूसरी पूर्व प्रमुख दिशा डब्ल्यू है। अध्ययन अवधि के दौरान प्राप्त आंकड़ों को औसत डेटा प्राप्त करने के लिए संकलित किया गया था।

1.7 मौजूदा पर्यावरण परिदृश्य

1.7.1 भूमि उपयोग

अध्ययन क्षेत्र का भूमि उपयोग

भू-संदर्भ और व्याख्या के बाद जीआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके हाल ही में लैंडसैट उपग्रह छवि का उपयोग करके अध्ययन क्षेत्र का भूमि उपयोग भूमि कवर मानचित्र तैयार किया गया है, क्षेत्र और दूरी की गणना की गई है।

1.7.2 मिट्टी की गुणवत्ता

अध्ययन क्षेत्र की मिट्टी की बनावट मुख्यतः बलुई दोमट है। मिट्टी का pH 7.32 से 8.15 के बीच होता है। मिट्टी भुरभुरी होने के कारण मिट्टी का घनत्व 1.32 से 1.48 ग्राम/सेमी 3 के बीच है। मिट्टी के नमूनों की कार्बनिक कार्बन सामग्री 0.27 से 0.38 मिलीग्राम/100 ग्राम तक भिन्न होती है।

1.7.3 परिवेशी वायु गुणवत्ता

उपरोक्त विश्लेषण रिपोर्ट से पता चलता है कि चूंकि यह खदान नहीं चल रही है और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात भी कम है, गाँव में जनसंख्या अधिक नहीं है। इसलिए बेसलाइन परिवेशी वायु गुणवत्ता NAAQS की अनुमेय सीमा के भीतर पाई गई।

1.7.4 शोर

दिन के समय शोर का स्तर (Leq day)

- अध्ययन क्षेत्र में दिन के समय (**Leq day**) शोर का स्तर 40.2 से 48.4 dB (A) के बीच पाया गया जो कि 55 dB (A) की निर्धारित सीमा के भीतर है।
- अध्ययन क्षेत्र में खान स्थल पर दिन के समय (**Leq day**) ध्वनि स्तर 57.9 से 58.8 dB (A) के रूप में देखा गया जो 75 dB (A) की निर्धारित सीमा के भीतर है। (खान स्थल क्षेत्रों में)

रात के समय शोर का स्तर (Leq night)

- रात के समय (Leq night) ध्वनि का स्तर 38.1 से 42.4 dB (A) के बीच पाया गया जो अध्ययन क्षेत्र में 45 dB (A) की निर्धारित सीमा के भीतर है।
- खदान स्थल पर रात के समय (Leq night) ध्वनि का स्तर 46.1 से 47.4 dB (A) के बीच पाया गया जो कि 70 dB (A) की निर्धारित सीमा के भीतर है। (खान स्थल क्षेत्रों में)

1.7.5 जल पर्यावरण

भूजल गुणवत्ता

विश्लेषण के परिणामों से पता चलता है कि भूजल के नमूनों GW1, GW2, GW3, GW4, GW5 और GW6 के लिए पीएच 7.28 से 7.69 के बीच है जो प्रकृति में थोड़ा क्षारीय दर्शाता है। टीडीएस (टोटल डिस्सॉल्व्ड सॉलिड्स) 532 मिलीग्राम/ली से 589 मिलीग्राम/ली के बीच पाया गया जो 2000 मिलीग्राम/ली की अनुमेय सीमा के भीतर है। अध्ययन क्षेत्र में भूजल के नमूनों की कुल कठोरता 251-272 मिलीग्राम/ली पाई गई जो अनुमेय सीमा के भीतर है। क्षारीयता पानी की बेहतर बफरिंग क्षमता को इंगित करती है और 149-162 मिलीग्राम/लीटर के बीच होती है।

फ्लोराइड की मात्रा 0.62 mg/l – 0.82 mg/l से भिन्न होती है जो कि अनुमेय सीमा के भीतर है। अध्ययन क्षेत्र में समग्र भूजल गुणवत्ता कुल घुलित ठोस, क्लोराइड (82.0 मिलीग्राम/ली से 97.0 मिलीग्राम/ली), सल्फेट (38.0 मिलीग्राम/ली से 43.0 मिलीग्राम/ली) और कठोरता के संबंध में खनिजयुक्त पाया गया।

सतही जल गुणवत्ता

सतही जल के नमूने एकत्र किए गए और उनका विश्लेषण किया गया, पीएच मान 7.52 से 7.62 मिलीग्राम/ली पाया गया जो दर्शाता है कि सतही जल प्रकृति में क्षारीय है। टीडीएस 261 से 269 मिलीग्राम/लीटर पाया गया। घुलित ऑक्सीजन लगभग 6.3 और 6.5 मिलीग्राम/लीटर पाई गई। यह देखा गया है कि क्लोराइड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, नाइट्रेट और फ्लोराइड जैसे अन्य मापदंडों का भौतिक-रासायनिक विश्लेषण वांछनीय सीमा के भीतर पाया गया। अध्ययन क्षेत्र के भीतर उपलब्ध स्रोतों की समग्र सतही जल गुणवत्ता सभी मापदंडों के संबंध में भौतिक-रासायनिक रूप से अच्छी पाई गई। मॉनिटर किए गए स्रोतों में कोई जैविक भार नहीं देखा गया है, जो स्रोत में कोई प्रदूषण भार नहीं दर्शाता है।

जैविक पर्यावरण अध्ययन क्षेत्र के मौजूदा वनस्पतियों और जीवों पर औद्योगीकरण और शहरीकरण के प्रभाव को समझने के लिए पारिस्थितिक अध्ययन आवश्यक है।

खनन पट्टे के 10 किमी के दायरे में कोई वन्यजीव अभ्यारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, बायोस्फीयर रिजर्व, वन्यजीव गलियारे, बाघ/हाथी अभ्यारण्य नहीं है।

1.7.6 सामाजिक आर्थिक स्थिति

अध्ययन क्षेत्र में 10 किमी के भीतर त्रिज्या में 20 गाँव शामिल हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 38,829 है। 2011 की जनगणना के अनुसार, कुल में से लगभग 14,370 मुख्य श्रमिक हैं, 3802 सीमांत श्रमिक हैं।

1.7.7 वायु पर्यावरण पर प्रभाव

- गर्मी के मौसम में दिन में दो बार और सर्दी के मौसम में दिन में एक बार धूल के कणों के जमने के लिए पानी का छिड़काव किया जाएगा।
- खनिज का परिवहन कच्चा रोड पर किया जाएगा जिससे धूल उड़ेगी और बाकी दूरी स्टेट हाईवे पर होगी जिससे वायु प्रदूषण नहीं होगा।
- अतिरिक्त उत्सर्जन को रोकने के लिए मशीनरी और वाहनों का नियमित रखरखाव किया जाएगा। काम के निर्दिष्ट घंटों के बाद डंपर और उत्खनन के नियमित ओवरहालिंग की एक प्रणाली विकसित की जाएगी और अप्रिय धुएं के उत्पादन से बचने के लिए मनाया जाएगा।
- ऊंचे पेड़ों वाली हरित पट्टी लगाई जाएगी। यह कणों को प्रतिबंधित करेगा और SO₂ और NO₂ की सांद्रता को कम करेगा।
- कच्ची सड़क के किनारे वृक्षारोपण और वैधानिक अवरोध आदि भी हवा के कटाव से मिट्टी की रक्षा करेंगे।
- डंपरों, पानी के टैंकरों आदि की आवाजाही के कारण धूल के निर्माण को रोकने के लिए काम की पाली के दौरान खदान के गड्ढे के मुख्य रैंप सहित सभी ढुलाई सड़कों को ठीक से बनाए रखा जाएगा और नियमित रूप से पानी पिलाया जाएगा।
- उत्खनन और लोडिंग पॉइंट जैसे धूल पैदा करने वाले स्थानों पर लगे श्रमिकों को डस्ट मास्क प्रदान किया जाएगा।

1.7.8 यातायात घनत्व का प्रभाव:

परियोजना स्थल के निकट की सड़कों और क्षेत्र में मुख्य सड़कों को जोड़ने वाली मौजूदा वहन क्षमता को समझकर यातायात विश्लेषण किया जाता है। इन सड़कों पर मौजूदा यातायात की तुलना आईआरसी दिशानिर्देशों के अनुसार इन सड़कों की वहन क्षमता से की गई और यह पाया गया कि सड़कें अतिरिक्त यातायात/भार को संभालने में सक्षम हैं।

तालिका – मौजूदा और प्रस्तावित पीसीयू में सड़क की वहन क्षमता की तुलना

स्थान	मौजूदा यातायात भार			अनुप्रयुक्त परियोजना सहित कुल यातायात भार		
	पीसीयू की संख्या	वी/सी	एलओएस	पीसीयू की संख्या	वी/सी	एलओएस
परियोजना स्थल से	600.50	0.300	बी	672.50	0.336	बी

बेलसोडा-बमहनी पीएमजीएसवाई रोड						
-------------------------------------	--	--	--	--	--	--

1.7.9 ध्वनि पर्यावरण पर प्रभाव

काम के माहौल में अपेक्षित शोर स्तर की तुलना व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रशासन (ओएसएचए-यूएसए) और सीपीसीबी-नई दिल्ली द्वारा निर्धारित मानकों के साथ की जाती है, शोर का स्तर स्वीकार्य सीमा में होने की उम्मीद है।

1.7.10 जल पर्यावरण पर प्रभाव

सतही जल मात्रा पर प्रभाव

सतही जल का उपयोग नहीं किया जाएगा और प्रस्तावित गतिविधि के कारण सतही जल की मात्रा पर प्रभाव का अनुमान नहीं है।

सतही जल की गुणवत्ता पर प्रभाव

प्रस्तावित ओपनकास्ट खनन कार्य से जल प्रदूषण हो सकता है। प्रदूषण के स्रोत आम तौर पर हैं:

- वाश ऑफ फ्रॉम डम्प्स
- मृदा अपरदन

शमन के उपाय

ओपन कास्ट खनन गड्डों के साथ-साथ डंप पर, यह आवश्यक है कि कार्य क्षेत्रों की सीमा से बाहर गिरने वाले वर्षा जल को गड्डे और कार्य क्षेत्रों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसलिए खनन गड्डों और डंपों के चारों ओर माला नालियां विकसित करने का प्रस्ताव है ताकि सतही अपवाह जल को रोका जा सके और इसे खनन कार्यों के संपर्क के बिना निचली सिंकलाइनों की ओर मोड़ा जा सके।

जल की उचित निकासी के लिए लीज में खनन पट्टा क्षेत्र में गारलैंड ड्रेनेज का एक सेट बनाया जाएगा और पानी को सबसे निचले ढाल पर सिल्टेशन टैंक बनाकर जमा किया जाएगा जो क्षेत्र में पानी के भंडारण के साथ-साथ संग्रह का काम करेगा. गाद का। नियमित रूप से सिल्ट की सफाई कराई जाएगी।

भूजल मात्रा पर प्रभाव

जैसा कि आसपास के कुओं के साथ-साथ ग्रामीणों द्वारा भी गर्मी के दौरान 35 मीटर से नीचे और बरसात के मौसम में 32 मीटर के भीतर पानी का स्तर नीचे आ जाता है। चूंकि जल स्तर अधिकतम उत्खनन गहराई (9 मीटर) से नीचे है और निकटतम जल विज्ञान का प्रवाह या सीमा प्रस्तावित पट्टा क्षेत्र से बहुत दूर है इसलिए जल स्तर, जल प्रवाह या जल विज्ञान पर किसी प्रभाव का आकलन नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा खदान बंद करने की गतिविधियों से कोई सीवेज या अन्य अपशिष्ट उत्पन्न नहीं होगा, जिन्हें पानी पर छोड़ा जाना आवश्यक है। इसलिए किसी भी जल प्रदूषण का आकलन नहीं किया जा सकता है।

1.7.11 वनस्पतियों और जीवों पर प्रभाव

चूंकि खनन गतिविधियां केवल कोर जोन तक ही सीमित रहेंगी, इसलिए कोर जोन में वनस्पतियों और जीवों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। लीज क्षेत्र में वन्यजीवों के प्रवेश को रोकने के लिए लीज क्षेत्र के चारों ओर उचित फेंसिंग की जाएगी।

1.7.12 शीर्ष मिट्टी पर प्रभाव

पलैगस्टोन के खनन के दौरान ऊपर की मिट्टी उत्पन्न होगी और इसका उपयोग वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।

1.7.13 सामाजिक आर्थिक स्थिति पर प्रभाव

परियोजना स्थल के संदर्भ में सभी दिशाओं में स्थित अध्ययन क्षेत्र के छह गांवों में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया गया।

उत्तरदाताओं से परियोजना के बारे में उनकी जागरूकता/ राय और परियोजना के प्रभावों के बारे में उनकी राय मांगी गई, जो सामाजिक-आर्थिक वातावरण का एक महत्वपूर्ण पहलू है, अर्थात् नौकरी के अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन सुविधा और आर्थिक स्थिति।

1.8 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

हवा, पानी, मिट्टी और शोर के लिए खदान में प्रदूषकों की निगरानी की जाएगी। यह खदान की सभी निगरानी आवश्यकताओं का ध्यान रखता है। इसके अतिरिक्त खदान में परिवेशी वायु और कार्य क्षेत्र की निगरानी हर मौसम में खनन संचालन, लोडिंग और परिवहन (हौल रोड) क्षेत्रों के पास सरकार द्वारा अनुमोदित निजी एजेंसी द्वारा की जाएगी। हवाई निगरानी के विश्लेषण के परिणाम ठीक से दर्ज किए जाएंगे और समय-समय पर सांविधिक अधिकारियों को प्रस्तुत किए जाएंगे। वर्ष में दो बार खान उपकरणों का ध्वनि मापन किया जायेगा, वर्ष में दो बार परिवेशी वायु निगरानी की जायेगी। मौसम में एक बार दो स्थानों पर पानी की गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी और अध्ययन क्षेत्र के भीतर 2 स्थानों पर वर्ष में एक बार मिट्टी की गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी। कुल रु. 1.26 लाख/- प्रतिवर्ष पर्यावरण मानकों के अनुश्रवण पर व्यय किया जायेगा।

1.9 अतिरिक्त अध्ययन

1.9.1 जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन योजना

खनन कार्य के दौरान निम्नलिखित प्राकृतिक/औद्योगिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है:

- अत्यधिक वर्षा के कारण खदान के गड्ढे में पानी भर जाना।
- खदान के चेहरे या ढेर पर ढलान की विफलता।

प्रस्तावित कार्य के दौरान जल स्तर का सामना नहीं करना पड़ेगा। भूस्खलन, उप-बाढ आदि जैसी कोई उच्च जोखिम वाली दुर्घटनाएं नहीं हुई हैं। लेकिन आकस्मिक आपदा की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। अतः खान अधिनियम 1952, खान नियम 1955, एमएमआर- 1961 के नियम और एमसीडीआर-1988 के नियमों के अनुसार त्वरित निकासी के लिए सभी वैधानिक सावधानियां बरती जाएंगी।

1.10 पर्यावरण प्रबंधन योजना

पर्यावरण प्रबंधन योजना परियोजना के प्रभावी पर्यावरण प्रबंधन को सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से तैयार की गई है। पर्यावरण प्रबंधन योजना के अलावा, खान प्रबंधक, सुरक्षा अधिकारी और पर्यावरण अधिकारी से युक्त पर्यावरण प्रबंधन प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। लगभग 8.2 लाख पूंजीगत लागत और 14.9 लाख प्रति वर्ष आवर्ती लागत पर्यावरण प्रबंधन गतिविधियों पर खर्च की जाएगी।

1.11 परियोजना लाभ

खान पट्टा क्षेत्र के आसपास के निवासी मुख्य रूप से कृषि प्रधान हैं। रोजगार गतिविधियों के अवसर सृजित होंगे और खनन स्थायी आजीविका के स्रोत के रूप में काम करेगा। खदान प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रोजगार सृजित करेगी। अतिरिक्त, परिवहन जैसे कुछ कार्यों को अनुबंध पर आउटसोर्स किया जाएगा। इसलिए, खनन का समग्र प्रभाव सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

